लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने फरवरी 25, 2021 को शिलांग में मेघालय विधान सभा के सदस्यों को सम्बोधित किया

...

लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है जब हमारे कार्यों से समाज के अंतिम व्यक्ति का भला हो : लोक सभा अध्यक्ष

...

संसद ने महामारी के दौरान कार्य करके जनता को सकारात्मक संदेश दिया और उनका विश्वास बढ़ाया क्षलोक सभा अध्य :

...

'नेशन फर्स्ट' हमारे युवाओं के लिए मूल मंत्र होना चाहिएक्षलोक सभा अध्य :

...

लोक सभा अध्यक्ष ने डिजिटल डिवाइड को दूर करते हुए 'जनतकेंद्रि-, समावेशी और विकासोन्मुख समाज' के निर्माण का आह्वान किया

शिलांग, 25 फरवरी, 2021: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज शिलांग में मेघालय विधान सभा के सदस्यों को सम्बोधित किया। मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष, श्री मेतबाह

लिंग्दोह; मुख्य मंत्री, डॉसंगमा .कॉनरैड ए .; नेता प्रतिपक्ष, श्री मुकुल संगमा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सदस्यों को सम्बोधित करते हुए श्री ओम बिरला ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष और मेघालय के पूर्व मुख्य मंत्री, श्री पूर्णो अगितोक संगमा द्वारा संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए किए गए महत्वपूर्ण योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि हमें श्री संगमा के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की स्मृद्ध परम्परा रही है और पूरी दुनिया में यदि आज लोकतंत्र का प्रसार हो रहा है तो इसके पीछे कहीं न कहीं भारत के महान लोकतंत्र की भूमिका अग्रणी रही है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि संसद से लेकर राज्य विधानमंडलों और स्थानीय निकायों तक सभी संस्थाओं को आपसी समन्वय और सहभागिता से कार्य करना चाहिए और अपनी सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक दूसरे के साथ साझा करना चाहिए।-उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है जब हमारे कार्यों से समाज के अंतिम व्यक्ति का भला हो। संवाद, वाद किया जा सकता है। को प्राप्तविवाद और चर्चा से इस लक्ष्य-

कोविड-19 महामारी के दौरान लोक सभा में हुए विधायी कार्य के बारे में जानकारी देते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि संसद ने महामारी के दौरान कार्य करके जनता को सकारात्मक संदेश दिया और उनका विश्वास बढ़ाया। श्री बिरला ने कहा कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में विधायकों की ज़िम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है और हमारे संयुक्त प्रयासों से ही हमें कोविड-19 के कारण आई चुनौतियों का सामना करने में मदद मिली।

इस सम्बन्ध में लोक सभा अध्यक्ष ने महामारी के दौरान विधान सभा का सत्र बुलाये जाने के लिए मेघालय विधान सभा की सराहना की। अध्यक्ष महोदय ने विधान सभा की पद्धति और प्रक्रिया में शून्यकाल को शामिल किए जाने की पहल की भी सराहना की।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण करते हुए लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि हमारे युवाओं को अपने संवैधानिक कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति संकल्पित होना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि नेशन फर्स्ट' ही हमारे देश के युवाओं के लिए 'मूलमंत्र होना चाहिए।

इस अवसर पर श्री बिरला ने विधायी निकायों की कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए सूचना और संचार साधनों का अधिकाधिक उपयोग किए जाने पर बल दिया ताकि जनाकांक्षाओं को शीघ्र और अधिक पारदर्शी ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने डिजिटल डिवाइड को दूर करके 'जन-तकेंद्रि, समावेशी और विकासोन्मुख समाज' के निर्माण की अपील की।

सांसदों के क्षमता निर्माण और संसद में की जा रही अन्य नई पहलों के बारे में बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि सभा में पुरःस्थापित महत्वपूर्ण विधायी कार्यों के बारे में ब्रीफिंग सत्र आयोजित किए जाने, सदस्यों को 24x7 शोध और सूचना सम्बन्धी सहायता उपलब्ध कराने, सभा की कार्यवाहियों सहित रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण जैसी पहलें सराहनीय हैं और विधान सभाओं को भी अपने सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए इन नवाचारों को अपनाना चाहिए। इस संबंध में श्री ओम बिरला ने विधान सभाओं को सभी सम्भव सहायता प्रदान करने की पेशकश की ।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि मेघालय अवसरों और अपार संभावनाओं का प्रदेश है और यह पूरे देश को विकास और समृद्धि की नयी दिशा दिखा सकता है। इस राज्य के प्राकृतिक संसाधनों, यहां के लोगों का कौशल और उत्साह, मेघालय की लोकतांत्रिक परम्परा के कारण यहां पर विकास और सम्पन्नता की अपार संभावना है। उन्होंने विधान सभा के नये भवन के निर्माण के लिए मेघालय विधान सभा और मेघालय सरकार द्वारा की गई पहल की भी सराहना की।

श्री ओम बिरला ने राज्य सरकारों, राज्य विधानमंडलों, सदस्यों और अन्य सभी भागीदारों से भारत को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में सकारात्मक रूप से योगदान करने की अपील की।

इससे पहले विधान सभा परिसर में आगमन पर श्री बिरला को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

बाद में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने मेघालय विधान सभा के नए भवन के निर्माण स्थल का दौरा किया। मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष, श्री मेतबाह लिंग्दोह और मुख्य मंत्री डॉ . ल का दौरा करने के बाद श्री संगमा भी श्री बिरला के साथ वहाँ गए। निर्माण स्थ .कॉनरैड के सन दिया कि इस संबंध में संसद द्वारा विधान सभा को सभी संभव सहायता बिरला ने आश्वा प्रदान की जाएगी।

LOK SABHA SPEAKER SHRI OM BIRLA ADDRESSES MEMBERS OF MEGHALAYA LEGISLATIVE ASSEMBLY IN SHILLONG ON 25 FEBRUARY, 2021

...

DEMOCRACY CAN BE SUCCESSFUL ONLY WHEN IT BENEFITS LAST PERSON STANDING ON THE PERIPHERY: LOK SABHA SPEAKER

...

PARLIAMENT SENT A POSITIVE MESSAGE TO PEOPLE AND ENHANCED THEIR CONFIDENCE BY TRANSACTING BUSINESS AMIDST PANDEMIC: LOK SABHA SPEAKER

...

'NATION FIRST' SHOULD BE MANTRA FOR THE YOUTH: LOK SABHA SPEAKER

...

LOK SABHA SPEAKER CALLS FOR 'PEOPLE CENTRIC, SUSTAINABLE AND DEVELOPMENT - ORIENTED SOCIETY' BY BRIDGING THE DIGITAL DIVIDE: LOK SABHA SPEAKER

Shillong, 25 February, 2021: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed Members of Meghalaya Legislative Assembly today i.e. on 25 February, 2021 in Shillong. Speaker of Meghalaya Legislative Assembly, Shri Metbah Lyngdoh; Chief Minister Dr. Conrad K. Sangma; Leader of Opposition, Shri Mukul Sangma were also present during the event.

Addressing the Members, Shri Om Birla fondly remembered former Lok Sabha Speaker and former Chief Minister of Meghalaya, Shri Purno Agitok Sangma and his significant contributions towards strengthening parliamentary democracy and constitutional practices. Shri Birla said that Shri Sangma has always been an inspiration for us for the standards set by him.

Lok Sabha Speaker said that Indian democracy has a rich legacy and today wherever democratic norms are gaining ground, India is being seen as an exemplary model. Shri Birla further said that democratic institutions, from Parliament to State Legislatures and Local Bodies should work in harmony and share their best practices for greater efficacy. He emphasized that democracy can be successful only when it benefits the last person standing on the periphery. Dialogues, debates and discussions are the tools to achieve the above end.

Recalling the legislative business transacted in Lok Sabha during the Covid-19 pandemic, the Speaker said that Parliament sent a positive message to people and enhanced their confidence by transacting business amidst the pandemic. Responsibility of legislators during such challenging times becomes more onerous and the collective efforts helped us to successfully face the challenges posed by Covid-19 , Shri Birla said.

In this regard, the Lok Sabha Speaker appreciated Meghalaya Legislative Assembly for convening Assembly Session during the pandemic. The Speaker also commended the Assembly for their initiative of including Zero Hour in their Practice and Procedure.

Invoking Sardar Vallabhbhai Patel's vision, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla said that our youth should be committed to constitutional obligations and duties. 'Nation First' should be the mantra for the youth of India, Shri Birla said.

On this occasion, Shri Birla advocated for greater use of information and communication tools to improve efficacy of legislative bodies so that they can cater to the aspirations of people in a faster and more transparent way. He appealed to create a 'people centric, sustainable and development - oriented society' by bridging the digital divide.

Deliberating on the capacity building and new initiatives in Parliament, Shri Om Birla said, initiatives like organising briefing sessions on important legislative agenda in the House, 24x7 research and information support to Members, digitisation of records, including House proceedings, are

commendable tasks and Legislative Assemblies should emulate these novel ideas for capacity building of their Members. In this regard, Shri Om Birla also offered all possible assistance and support to legislative assemblies.

Lok Sabha Speaker said that Meghalaya is a land of opportunities and immense possibilities and can act as a model of development and prosperity for the entire nation. Natural resources of the State, skills and enthusiasm of people and the democratic spirit of Meghalaya provide an enabling environment for development and prosperity. He also lauded the initiative of Meghalaya Legislative Assembly and Meghalaya Government for construction of a new building for the Assembly.

Shri Om Birla appealed State Governments, State Legislatures, Members and every other stakeholder to positively contribute towards making India Aatmanirbhara Bharat.

Earlier, on his arrival in the Legislative Assembly Complex, Shri Birla received the Guard of Honour.

Later on, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla visited the construction site of the new building of Meghalaya Legislative Assembly. Speaker of Meghalaya Legislative Assembly Shri Metbah Lyngdoh and Chief Minister Dr. Conrad K. Sangma accompanied Shri Birla. After visiting the site, Shri Birla assured that all possible support and assistance will be provided to the Assembly by the Parliament in this regard.